

संपादकीय राजनय का पतन ट्रंप-जेलेन्स्की टकराव

ओवल अफिस में ट्रंप व जेलेन्स्की के बीच तीखी बहस से वैश्विक राजनीतिक अस्थिरता प्रकट होती है। राष्ट्रपति ट्रंप व यूक्रेन राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की के बीच बैठक ने सारी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया और यह बैठक हाउस में नाटकीय प्रदर्शन का कारण बनी। सद्भावनापूर्ण अभिवादन से युरु यह बैठक विस्तृत आदान-प्रदान में बदल गई विस्तृत विश्व मंच पर जेलेन्स्की को अमरीकी होना पड़ा, हालांकि उनके इस विरोधी दृष्टिकोण के कारण यूरोपीय नेताओं के सम्पर्क भी मिला। यह टकराव जबरीने में ट्रंप की सत्ता में वापसी के बाद ट्रंप और जेलेन्स्की के बीच फहली व्यक्तिगत बैठक में समाने आया। युरुआती मुस्कराहट और हाथ मिलाना जल्द ही गरमगरम बहस में बदल गया क्योंकि अमेरिकी ट्रंप-राष्ट्रपति जेलेन्स्की वास ने वर्तमान समय में जारी रूस-यूक्रेन टकराव के राजनीतिक समाधान पर प्रेरणा दिया। वास की टिप्पणी में एक मूल निहित था कि युद्ध को समाप्त करने के लिए यांत्री और अंतिमिति था। लेकिन संवाद के दौरान जेलेन्स्की ने क्रीमिया पर कब्जे तथा बाद में सैनिक संघर्ष के दौरान निकियता के लंबे इतिहास का स्पष्ट उल्लेख किया जिसका ट्रंप ने जोरदार खंडन किया। इसके बाद तेजी से बहसबाजी में ट्रंप ने जेलेन्स्की की आलोचनाओं को खारिज करते हुए उनको अमेरिका द्वारा दिए मजबूत समर्थन की बात करते हुए तर्क दिया कि इस सहायता के बिना यूक्रेन का प्रतीतो रुद्ध ही दिनों में समाप्त हो सकता था।



लेकिन आक्रमक शैली तथा बहुत से लोगों की नजर में सार्वजनिक अपमान के बावजूद जेलेन्स्की का प्रतिरोध औवल अफिस की सीमाओं से बहुत दूर तक सुना गया। ट्रंप की गैर-परायगत शैली आक्रमक लफाजों ने अनेक यूरोपीय नीति नियमितों को उत्तेजी और दूर कर दिया। इसमें जेलेन्स्की का विशेषी दृष्टिकोण उनकी राष्ट्रीय प्रतिवद्धता का प्रातीक बन गया। लंबे समय से ट्रंप की उड़ाकांड राजनय की आलोचना करने वालों ने इसे एक प्रमाण की तरह देखा कि अमेरिका के बड़बोलेपन की तुलना में यूक्रेन को अपनी गरिमा पर जोर देना जरूरी था। इसके साथ ही ट्रंप की कठोर सोशल मीडिया पोस्ट ने मांग की कि जेलेन्स्की 'शर्ति' के लिए तैयार होने पर वास 'आए!' इन्हें न केवल राजनीतिक मंच पर नाटकीय क्षण किया, बल्कि इससे यूक्रेन के समर्थन में एकजुटा क्रमजूद हुई। जेलेन्स्की ने यूक्रेन के इनकार कर अपने देश के और अंतर्राष्ट्रीय समर्थकों को शक्तिशाली संदेश दिया। जेलेन्स्की की अमेरिका यात्रा से यूक्रेन की लेनदेन की स्थिति मजबूत होनी तथा रूसी आक्रमण के जवाब में ज्यादा समन्वित प्रयास सुनिश्चित होगा। ट्रंप की वापसी ने अनुमान से परे राजनय को जम्म दिया है जिससे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में गहरे विभाग रूप से बढ़ते हैं। उनकी चीजों को एकदम खारिज करने तथा टकराव वाली रणनीतियों से परस्परगत अमेरिकी राजनीतिक चैनलों की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा है। इससे लंबे समय से राष्ट्रपति गठबंधन अस्थिर हुई। इसके उलट यूरोप की प्रतिक्रिया एक ऐसा केन्द्र बनाती है जो ज्यादा सुरक्षित, समर्थिक प्रतिक्रिया पर आधारित तथा एकपक्षीय दबावों के बजाय बहुपक्षीय संबंधों को प्राथमिकता देता है। यह भिन्नता भविष्य में वैश्विक टकरावों से निपटने के तरीकों में परिवर्तन कर सकती है तथा 'लंबी चौड़ी बातों' के बजाय व्यावहारिक व गठबंधन-अधारित रणनीतियों को पेंडा कर सकती है। ओवल अफिस में हुआ टकराव वर्तमान यूक्रेन युद्ध में एक विशिष्ट क्षण के रूप में याद किया जा सकता है। यह अमेरिकन विदेश नीति के विकास में भी महत्वपूर्ण क्षण हो सकता है।

छत्तीसगढ़ बजट 2025-26 : बस्तर और किसान हितों की एक बार फिर अनदेखी

लेखक:
डॉ. राजाराम प्रियाठी
ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं कृषि
मालामों के विशेषज्ञ



छत्तीसगढ़ बजट 2025-26 के बजट को हम एक मायने में निश्चित रूप से अनूठा कह सकते हैं, कि एउआई और डिजिटलाइजेशन के युग में यह बजट हाथ से लिखा गया। कुछ नया कर दिखाने के चक्र कर में पूर्व तेजरार आईएसएस वित्त मंत्री शायद माली जी के डिजिटलाइजेशन के नारे को भूल गए।

पहली नजर में बजट में कई लोग लाभावाने बातें नजर में आती हैं पर जब हम गहराई से बजट की पड़ताल करते हैं तो हमें प्रदेश के किसानों के उत्थान और बस्तर के समग्र विकास के लिए कोई ठोस दृष्टिकोण नजर नहीं आता। प्रायः बजट आंकड़ों की बाजागरी और खालीलों विषयों के पुलिंग ही होते हैं, यह बजट भी इससे बड़ी विडेंड और एजेंसियों को ज्यादा।

ह्रास कर्त्ता धूतं पवित्रिमि यानि किसानों को कर्ज में डालने की नीति - असली समय पर ध्यान नहीं

बजट में किसानों के लिए 8,500 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण की विषया की गई है। देखने में यह अच्छा लग सकता है, लेकिन असल में यह किसानों की समस्याओं का हल नहीं है, बल्कि उन्हें एक और कर्ज के जाल में फँसाने की रणनीति है। कर्ज का मकड़ाजाल किसानों की सबसे बड़ी समस्या है। किसानों की असली समस्या का हल 'कर्ज' नहीं, बल्कि उनकी उजाज का उचित मूल्य न मिलना है। अगर किसानों को उसकी फसल का सही दाम मिले, तो उसे बार-बार कर्ज लेने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। कर्ज पर ध्यान देने की बजाय सरकार के लिए सबसे अधिक प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध कराता है, उसे एक बार फिर उंचित कर दिया गया है।

किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिले।

हमें या रोएं - जैविक खेती के लिए 20 करोड़, प्रमाणीकरण के लिए 24 करोड़!

सरकार साल भर जैविक खेती के सेमिनार वकर्शों पी करती है दिन-रात जैविक खेती की बातें होती हैं पर जब बजट में राशि आबटन की बारी आती है तो को बातें बारी आती हैं, तो जैविक खेती के साथ कैसा मजाक किया जाए तो उसकी बाजागरी देखिए, इस बजट में जैविक खेती की बढ़ावा देने के लिए मात्र 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है और और जैविक प्रमाणन के लिए 24 करोड़ रुपये देंगे। प्रोटेश के 40 लाख किसानों को जैविक खेती के लिए प्रति किसान को उपरांत भूमिका देने के लिए मात्र 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाए।

प्रभावी बाजार व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब समझेंगे कि ब्याज मुक्त ऋण देना सिर्फ तालिका राहत है, लेकिन यह किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं है। इससे किसान लगातार कर्ज के चक्र में फँसते जाते हैं और उनकी वित्तीय स्वतंत्रता कभी नहीं आती। समस्या कर्ज की नहीं, बल्कि आय बढ़ने की है, और इस पर सरकार को कर्कित आय देने की है।

कृषि उत्पादों के लिए एक बृक्षोन्मुखी प्रभावी बाजार व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुखी व्यवस्था विकसित की जाए।

हम आखिर कब विकास के लिए एक बृक्षोन्मुख

बालकों सीएसआर की पहल उन्नति चौपाल ने महिलाओं को बनाया सशक्त



पायनियर संवाददाता ✍ बालकोंगर
www.dailypioneer.com



रायपुर क्षेत्र के 60 लाइन कर्मियों का सम्मान
पायनियर संवाददाता ✍ रायपुर
www.dailypioneer.com

वेदांत समूह की कंपनी भारत एल्यूमीनियम कंपनी लिमिटेड (बालकों) की उन्नति परियोजना के अंतर्गत फूड कोर्ट उन्नति चौपाल का उदाघान बालकों लेडीज क्लब की अध्यक्ष मनीषा कुमार द्वारा किया गया। समुदाय में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। बालकों को आपैटेटेव, सेक्टर-1, बालकोंगर में स्थित चौपाल को महिलाओं द्वारा सचालित एक फूड कोर्ट है। यह सोमवार से शनिवार, शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा। बालकोंगर के लोग स्वादिष्ट व्यंजन अनंद ले पाएंगे। उन्नति चौपाल महिलाओं को उनके व्यंजन कौशल और उड़मशीलता की भावना को प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतर मंच है।

उन्नति चौपाल, उन्नति परियोजना के तहत उन्नति खाद्य सूक्ष्म उद्यम इकाई 'छत्तीसा' के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यहाँ पर जानी के अंतर्गत देसी कड़क, स्टॉर्करी, चॉकलेट चाय और विभिन्न स्वाद वाली चाय उपलब्ध है जो चाय प्रेमियों के लिए बेहतर स्थान है। चाइना टाउन पर स्वादिष्ट मृच्युरियन पुरानी दिल्ली पांच चाट और गोलांपे खाने को मिलता है। उन्नति चौपाल स्थानीय समूदाय समरोह के 'चौपाल से' प्रेरित है जहाँ कुछ चाय और नाश्ते के साथ बिछारों का आदान-प्रदान होता है। वह सभी उम्र के लोगों के लिए एक लोकप्रिय खाद्य स्थान बनेगा जो सामाजिक संरक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक स्वभाव योग्य स्थान प्रदान करता है। प्रोजेक्ट उन्नति को उद्देश्य महिलाओं को स्व सहायता एक एसएसआर प्रमाणित है।

समूह में शामिल करने और उन्हें सशक्त बनाने तथा उद्यमिता और स्थानीय आजीविका के निर्माण के लिए उनकी शक्तियों और कौशल के निखारने पर केंद्रित है। 534 से अधिक एसएचजी, जिनमें 5,800 से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जो परियोजना के विभिन्न प्रशिक्षण से लाभान्वित हो रही हैं। माइक्रो एंटरप्राइज द्वारा पूर्ण ट्रैक 'उन्नति कैफे ऑन व्हील्स' और उना टी शॉप 'चाय व्हील्स' एवं सेवार कारों को

बिहान' का कलेक्टर्टे में संचालित किया जा रहा है। इन परियोजना के जरिए महिलाओं ने अनेक विभिन्नियों से जड़ा गया है जो उन्हें आजीविका प्राप्त करने और खुद के पैरें पर खड़े होने में सहायता बनाती है। परियोजना को वर्तमान में जीपीआर स्ट्रैटेजीज एंड सॉल्यूशंस के सहयोग से क्रियान्वित किया जा रहा है, जो समुदायिक और सामाजिक सेवाओं के लिए समर्पित एक गैर-सरकारी संगठन है।

भाजपा सरकार का बजट जनमत को निराश करने वाला : डॉ महंत

पायनियर संवाददाता ✍ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ विधायक सभा बत्रा प्रतीपक डॉ चरणकाश महंत ने भाजपा संघर्ष वाद सरकार को 2025-26 अंतर्वर्ष बजट को लेकर कहा कि, भाजपा सरकार का यह बजट जनमत को निराश करने वाला बजट है। बजट कृषि, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, महंगाई, उद्योग, कौशल, युवा, महिला, आम आदानी,

ब्याज मुक्त ऋण देने में कौटूम्बी की है। उद्योग खबर विभिन्न विद्युत जारी की गयी है एवं विभिन्न क्षेत्र में सकल राज्य उत्पाद में दिल्लीवारी प्रियोली वर्ग 48.03 प्रतिशत थी जो घटकर 47.90 प्रतिशत हो गई है। सेवा क्षेत्र की हिस्सेवारी सकल राज्य घेरेतू उत्पाद में प्रतिशत थी जो कि इस वर्ष घटकर 16.80 प्रतिशत पर है। कृषि क्षेत्र की हिस्सेवारी प्रियोली वर्ग 17.09 प्रतिशत थी जो कि इस वर्ष घटकर 8.54 प्रतिशत पर है।

संभागायुक्त ने किया विभागीय परीक्षा का निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ✍ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर। संभागायुक्त महादेव कावरे ने छत्तीसगढ़ महाविद्यालय में आयोजित विभागीय परीक्षा का निरीक्षण किया गया। इस परीक्षा में सुखन की पाती 10 बजे से 1 बजे में कुल 37 अधिकारी उपस्थित थे, जिसमें राजक विभाग के 15 महिला एवं बाल विधायकों की विभागीय परीक्षा के 2 पंजीयन विभाग के 1 अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान योग्यता 10 मार्च तक चलेगी।

हम अपने भगवान बाबा घासीदास का अपमान नहीं सह सकते : गुरु खुशवंत

पायनियर संवाददाता ✍ रायपुर
www.dailypioneer.com

भूपेश बघेल के बयान की निंदा करते हुए सतनामी समाज के गुरु एवं भजपा विधायक गुरु खुशवंत सिंह

ने कहा है कि गुरु घासीदास हमारे भगवान हैं हमारे जीवन का आधार है। हमारे दिन की शुरुआत उनकी जय करके ही होती है दिन खत्म भी उनकी जय से होता है हम उन्हें के बताए गरस्ते पर चलते हैं उनकी महानता के बर्दास्त का उल्लंघन करते हैं। उल्लंघन किए जाने लायक नहीं हैं। गुरु खुशवंत ने कहा कि वे भूपेश बघेल किस अंकर में चूर हैं? वह बाबा घासीदास के लिए बताए गए उनकी महानता के बर्दास्त का उल्लंघन है। उल्लंघन किए जाने लायक नहीं हैं। गुरु खुशवंत के लिए वह अपने बाल विधायकों की विधायक समाज के आहत करते हैं? इससे पहले वह अपने बाल विधायकों की विधायक समाज के लिए बताए गए उनकी महानता के बर्दास्त का उल्लंघन है। उल्लंघन किए जाने लायक नहीं हैं।

युवाओं को भौंकने वाला कहा था और अब जब छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं। यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति नहीं है।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश है।

यह छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं।

यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति नहीं है।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश है।

यह छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं।

यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति नहीं है।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश है।

यह छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं।

यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति नहीं है।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश है।

यह छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं।

यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति नहीं है।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश है।

यह छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं।

यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति नहीं है।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश है।

यह छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं।

यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति नहीं है।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश है।

यह छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं।

यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति नहीं है।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश है।

यह छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं।

यह छत्तीसगढ़ की संस्कृति नहीं है।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश है।

यह छत्तीसगढ़ की विधायक समाज में भगवान बाबा घासीदास की महानता का बिक्री हो रहा है तो भूपेश

बघेल जी उसका उल्लंघन उड़ा रहे हैं।

यह छत्तीसगढ़ की स